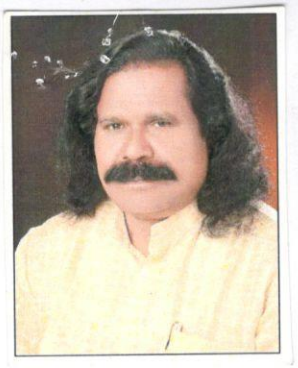

नन्दकुमार साय
स्ववृत्त (BIO-DATA)

नाम	नन्द कुमार साय
पिता	स्व. श्री लिखन साय
जन्म तिथि	01.01.1946 (एक जनवरी उन्नीस सौ छयालीस)
पत्नि	श्रीमती गुलमोहर बाई (विवाह दिनांक 03.03.1964)
संतति	पुत्र– अरविन्द, परिवर्तन, स्वर्ण कमल एवं तीन पुत्रियाँ
जन्म स्थान एवं पता	ग्राम एवं पोस्ट– भगोरा, तहसील– फरसा बहार, जिला– जशपुर (छ.ग.)
राजकीय निवास	शासकीय आवासीय परिसर एफ–1, सेक्टर–1,देवेन्द्र नगर जेलरोड रायपुर छ.ग.
शैक्षणिक	स्नातकः– संस्कृत, हिन्दी साहित्य एवं राजनीति शास्त्र (एन.ई.एस.महाविद्यालय जशपुर नगर) स्नातकोत्तरः– राजनीति शास्त्र,(पं.रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर।)

राजनैतिक पृष्ठभूमि एवं परिचयः

सदस्य	:	1977 से राष्ट्रीय परिषद का सदस्य।
विधायक	:	म.प्र.विधानसभा में 3 बार सदस्य (1977–79, 1985–89 एवं 1998 – 2003)
सदस्य	:	विशेषाधिकार समिति म.प्र.विधान सभा (1977–78, 1986–88)
सभापति	:	अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति म.प्र. विधानसभा (1978–79)
अध्यक्ष	:	जिला भा.ज.पा. रायगढ़ (1980–85)
महासचिव	:	प्रदेश भा.ज.पा. अविभाजित म.प्र. (1986–88)
उपनेता	:	उप नेता प्रतिपक्ष मध्यप्रदेश विधान सभा (1987–90)
सदस्य	:	अनुसूचित जातियो ं एवं जनजातियो ं के कल्याण संबंधी समिति म.प्र . विधानसभा (1988–89)
लोकसभा सदस्य	:	9 वीं लोकसभा के लिए संसदीय क्षेत्र रायगढ़ से निर्वाचित (1989)
प्रदेश अध्यक्ष	:	भा.ज.पा. अविभाजित म.प्र (1997..2000)
सदस्य	:	केंद्र सरकार के अनुसूचित जातियो ं एवं जनजातियो ं के कल्याण संबंधी समिति का सदस्य,परामर्श दात्री समिति ,गृह मंत्रालय, स्थायी समिति एवं वित्त (1990–91)

लोकसभा सदस्य एम.पी.	:	11 वीं लोकसभा के लिए संसदीय क्षेत्र रायगढ़ से निर्वाचित (1996 द्वितीय कार्यकाल)
नेता प्रतिपक्ष	:	प्रथम नेता प्रतिपक्ष छत्तीसगढ़ विधान सभा (2000–2003)
प्रदेश अध्यक्ष	:	छत्तीसगढ़ भा.ज.पा. (2003)
लोकसभा सदस्य	:	14 वीं लोकसभा के लिए संसदीय क्षेत्र सरगुजा से निर्वाचित (2004–2009)
राज्यसभा सदस्य	:	राज्यसभा सदस्य के लिए छत्तीसगढ़ से निर्वाचित (2009) इस दौरान सदस्य कोयला एवं इस्पात स्थायी समिति सदस्य शहरी विकास प्राधिकरण समिति।
राज्यसभा सदस्य	:	10 जून 2010 को पुनः राज्य सभा सदस्य के लिए छत्तीसगढ़ से निर्विरोध निर्वाचित

सामाजिक सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियाँ

1. संस्कृत एवं हिन्दी विषयक शिक्षा के प्रसार व विस्तार में अंचल तथा राज्य स्तरीय भूमिका में अग्रणी

2. छात्र जीवन से ही सामाजिक, सांस्कृति गतिविधियो एव तत् सम्बधी कार्यक्रमो में बढ़ चढ़ कर

   कर हिस्सा लेना

3. भारतीय शिक्षा पद्धति से संस्कृत भाषा को पृथक करने के विरोध में उच्चतम न्यायालय मे परिवाद/रीट दायर करने मे महती भूमिका जिसमे उच्चतम न्यायालय ने संस्कृत के अध्ययन हेतु आवश्यकता को सही करार देते हुए निर्णय दिया।

4. अनुसूचित जनजातियो के विरूद्ध हो रहे अत्याचार, शोषण, दमन के गतिविधियो के खिलाफ वर्ष 1970 से ही मुखर तत् सम्बन्ध में आन्दोलन आदि की भूमिका को प्रशस्त किया।

5 आदिवासियों में शराब बंदी को लेकर आन्दोलन के साथ ही अनवरत वर्षो से संकल्प के साथ अपने भोजन में आज पर्याप्त नमक का त्याग.

6 1975 में ग्रामीण भारत में गरीबी दूर करने के लिए विशेष योजना बनाकर सरकार को सौंपा.

विशेष अभिरूचि

साहित्यिक	:	साहित्यिक गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेना, कविता पाठ एवं लेखन। राष्ट्रीयता एवं वीरता से प्रेरित कथा, कहानियों एवं काव्य पाठों के जरिए जनमन में संदेश प्रसारित करना।

		साहित्यिक आध्यात्मिक चेतना पर आधारित साहित्यों जैसे योग, ब्रह्म सूत्र,वेद, उपनिषद,गीता तथा तुलसी, कबीर, गुरू नानक देव एवं अन्य महापुरूषों द्वारा रचित पद्यावलियों, भाष्यों, मिमांसा का पठन पाठन ।
संगीत	:	विशेष कर लोक संगीत छोटा नागपुर जशपुरांचल स्थित प्रचलित लोकगीतों का गायन एवं क्षेत्रिय/आंचलिक वाद्यों के वादन में निपुणता।
खेलकूद	:	कबड्डी, फुटबाल, कुश्ती जैसे खेल विधाओं में क्षेत्रीय स्तर पर बचपन से पूर्ण भागीदारी।
विशेष	:	सामाजिक, सांस्कृतिक, भारतीय भाषाओं (हिन्दी, संस्कृत) व मानवीय मूल्यों के प्रति सजग तथा उन विषयों पर पूर्ण भागीदारी के साथ तत् सम्बन्धी चेतना का विकास और प्रसार की दृष्टि से स्वयं को प्रेरक इकाई/ संस्था के रूप में समाज, प्रदेश व राष्ट्र के लिए समर्पित रहना।